

माता रानी सब की सुने

सब की सुने दिन रात, माता रानी सब की सुने ॥
जन्म जन्म की, विगड़ी यहाँ पर* ॥,
बन जाती है बात, माता रानी सब की सुने xll,,,
(^सब की सुने, सब की सुने xll,
हो,, 'सब की सुने दिन रात, माता रानी सब की सुने xll)

दुःखी हो के जब भी, पुकारे कोई आत्मा,
"कर देती कष्टों का, घड़ियों में खात्मा" ॥
बदल देती ताना बाना, हाथों की लकीरों का,
"रखती हिसाब मईया, शहनशाह फकीरों का" ।
वोह निर्बल बन, जाए बलशाली* ॥,
जिस पे रखती हाथ, माता रानी सब की सुने xll,,,
(^सब की सुने, सब की सुने xll,
हो,, 'सब की सुने दिन रात, माता रानी सब की सुने xll)

इसी माँ ने किए हैं, अंधेरों में उजाले,
"बने गुमनाम यहाँ, ऊँचे नाम वाले" ।
जब चाहे पलट देती, कर्मों का पासा,
"सुख दुःख इसी का है, खेल तमाशा" ॥
यहाँ हर किसी को, मिल जाती है* ॥,
मुँह मांगी सौगात, माता रानी सब की सुने xll,,,
(^सब की सुने, सब की सुने xll,
हो,, 'सब की सुने दिन रात, माता रानी सब की सुने xll)

इस के सहारे ही, जहान सारा पलता,
"क्या किया कब कहाँ, पता भी ना चलता" ।
आस्था का सोना यह माँ, आग में तपाती
"कब कहीं जा के उसे, कुन्दन बनाती" ।
इसे न मतलब, कोई मज़हब से* ॥,
न ही पूछे ज्ञात, माता रानी सब की सुने xll,,,
(^सब की सुने, सब की सुने xll,
हो,, 'सब की सुने दिन रात, माता रानी सब की सुने xll)

अपलोडर- अनिलरामूर्तिभोपाल

स्वर : [नरेन्द्र चंचल](#)

<https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/27078/title/mata-rani-sab-ki-sune>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |